सफलता 'मंथन' की, क्रमशः .....

सीहोर। ज्ञानपुरी बजरंग कालोनी कन्नौद रोड आष्टा जिला सीहोर के निवासी हैं। इन्होंने 2009-10 में मंथन आईटीआई अमलाहा जिला सीहोर में इलेक्ट्रिकल ट्रेड में एडमीशन लिया। और आईटीआई अच्छे नम्बरों से उत्तीण करने के पश्चात् ज्ञानपुरी को एमपीईबी में नौकरी मिल गई। ज्ञानपुरी अपने परिवार का अच्छे से निर्वहन कर रहे हैं तथा इन्होंने अपनी सफलता के लिए मंथन आईटीआई के समस्त स्टॉफ को धन्यवाद देते हुए आभार व्यक्त किया है।

जिलों से

● रिपोर्टर

हो रही थी अवैध हथियारों की बड़ी डील, पंजाब से खरीदने आया तस्कर गिरफ्तार, 11 पिस्टल-कट्टा बरामद

खरगोन। मध्य प्रदेश के खरगोन में बड़ी कार्रवाई की गई है। पुलिस ने पंजाब के एक तस्कर को गिरफ्तार किया है। उसके पास से सात देशी पिस्टल और चार देशी कट्टा समेत कुल 11 अवैध हथियार बरामद किया गया है। वहीं एक सिकलीगर समेत तीन फरार आरोपियों की तलाश जारी है। खरगोन जिले के गोगांवा थाना पुलिस ने एक बड़ी कार्रवाई करते हुए एक तस्कर को गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार तस्कर गगनदीप बालाचौर पंजाब का निवासी है। पुलिस ने उसके पास से 7 देशी पिस्टल और 4 देशी कट्टे बरामद किए, जिनकी कुल कीमत करीब दो लाख 35 हजार रुपये बताई जा रही है।

यह कार्रवाई गोगांवा थाने के क्षेत्रीय पुलिस ने बिलाली गांव के पास स्विफ्ट कार में अवैध हथियारों के साथ तस्कर को पकड़ते हुए की। पुलिस के मुताबिक, तस्कर गगनदीप इन हथियारों को कहीं और ले जा रहा था, तभी उसे दबोच लिया गया। पुलिस ने इस मामले में सुनील जो कि पंजाब का ही रहने वाला है, वह मौके से फरार हो गया है। वहीं विशाल सिकलीगर और उसका एक साथी रवि जो ग्राम रेवटा का रहने वाला है, यह सभी फिलहाल फरार हैं। पुलिस उनकी तलाश में जुटी हुई है। इस मामले का खुलासा एसपी धर्मराज मीना ने किया। उन्होंने कहा कि सभी फरार आरोपियों की जल्द गिरफ्तारी की जाएगी। गोगांवा पुलिस की इस बड़ी सफलता पर स्थानीय जनता ने भी पुलिस को सराहा है।

गोरख धंधे का खुलासा ट्रांजैक्शन देखकर बैंक वालों को हुआ शक दो महीने में तीन करोड़ का ट्रांजैक्शन

7वीं पास ने दो महीने में ट्रांजैक्ट किए 3 करोड़ रुपए! डिटेल देखकर बैंक वालों के उड़े होश

● मंथन संवाददाता

भोपाल। वह सिर्फ 7वीं कक्षा तक पढ़ पाया, लेकिन उसने ऐसा क्या कर लिया कि सिर्फ दो महीने में ही 3 करोड़ रुपये का लेनदेन कर लिया। बस यही बात बैंक वालों के मन में खटक गई और एक बड़े जालसाजी का खुलासा हो गया। दरअसल, भोपाल की कोलार पुलिस ने साइबर जालसाजों को खाता बेचने वाले गिरोह को पकड़ा है। कमाल की बात यह है कि इस गिरोह का मुखिया महज 7वीं पास ही है। इस अपराध में उसकी लिव-इन पार्टनर भी बराबर की साथी निकली। पुलिस की जांच में सामने आया है कि इनके दो खातों में तीन महीने में तीन करो? के ट्रांजेक्शन हुए हैं।

पुलिस ने की जब्ती की कार्रवाई

पुलिस ने इन आरोपियों के पास से 3 कार्ड स्वाइप मशीन, 6 मोबाइल फोन, 34 क्रेडिट डेबिट कार्ड, 20 चेक, 24 चेक बुक, 6 पास बुक, सिम रैपर, 77 सिम कार्ड, 2 डायरी, 1 कॉपी, 12 एटीएम, पिन रैपर, 1 लैपटॉप, 2 वाई-फाई राउटर समेत 8 लाख रुपये नकद मिले हैं।

आधार-पैन कार्ड बनाते थे आरोपी

पुलिस के अनुसार आरोपी आधार और पेन कार्ड, गुमास्ता बनवाने का काम करते थे। गरीब और मजदूरों को खोजकर उनके दस्तावेज से फर्जी तरीके से खाते खुलाते थे। इसके बाद यह आरोपी बैंक खातों को देश भर में साइबर जालसाजों को बेच देते थे। ऐसे में एक खाता धारक जब खाता बंद कराने बैंक पहुंचा तो बैंक अधिकारियों को शक हुआ।

200 से अधिक खाते बेचे: पुलिस के सामने आरोपियों ने स्वीकार किया है कि उन्होंने 200 से अधिक खातों को बेचा है, जिसके बदले में उन्हें कमीशन मिलता था। आरोपियों के नाम राहुल श्रीवास्तव उर्फ बब्लू पिता शांति स्वरूप श्रीवास्तव (42), नितेश शुक्ला पिता दयाशंकर शुक्ला 26 साल, लिव-इन पार्टनर्स निकिता प्रजापति और नितेश प्रजापति हैं।

इंदौर में सहकारी संस्था के असिस्टेंट मैनेजर के ठिकानों पर लोकायुक्त का छापा, करोड़ों की संपत्ति मिली

इंदौर। लोकायुक्त पुलिस की टीम ने 23 दिसम्बर सुबह आदिम जाति मर्यादित सहकारी संस्था पीथमपुर के असिस्टेंट मैनेजर कनीराम मंडलोई के ठिकानों पर छापा मारा। छापे की यह कार्रवाई मानपुर और धार के साथ एक साल पांच स्थानों पर चल रही है। जांच के दौरान असिस्टेंट मैनेजर के पास 5 करोड़ से ज्यादा की संपत्ति मिलने की बात सामने आ रही है। हालांकि इसकी अभी आधिकारिक पुष्टि नहीं हुई है। असिस्टेंट मैनेजर कनीराम मंडलोई और इनके भाई के खिलाफ आय से अधिक संपत्ति अर्जित करने की शिकायत लोकायुक्त पुलिस को मिली थी। शिकायत के बाद लोकायुक्त की टीम जांच के लिए इनके ठिकानों पर पहुंची है। इंदौर में एरोड्रम थाना क्षेत्र अंतर्गत नरीमन पाइंट में स्कूटर सवार युवकों ने पिता-पुत्र से मारपीट कर दी। आरोपितों ने आठ दिन के अंदर हत्या करने की धमकी दी और फरार हो गए। फरियादी राघव निवासी एसएन एन्क्लेव की शिकायत पर केस दर्ज किया है।

उठाए सवाल दिग्विजय सिंह ने कहा, 'अटल बिहारी वाजपेयी, नरेंद्र मोदी से कहते थे कि राजधर्म निभाइए, मैं उनसे पूछना चाहता हूं कि क्या यही राजधर्म है?

'बेगुनाहों को जेल...', एमपी के शाजापुर गोलीकांड के पीड़ित परिवार से मिले दिग्विजय सिंह

● मंथन संवाददाता

शाजापुर। कांग्रेस के राज्यसभा सांसद दिग्विजय सिंह रविवार को मध्य प्रदेश के शाजापुर स्थित मक्सी पहुंचे। यहां उन्होंने गोलीकांड में मारे गए एक शख्स और घायल हुए लोगों के परिवारों से मुलाकात की। इस दौरान उन्होंने मध्य प्रदेश सरकार पर सवाल भी उठाए। उन्होंने आरोप लगाते हुए कहा कि भाजपा की सरकार में बेगुनाहों को जेल में डाला जा रहा है। कांग्रेस के राज्यसभा सांसद दिग्विजय सिंह ने मीडिया से बात करते हुए कहा, 'प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी कहते हैं कि 'सबका साथ, सबका विकास, सबका विश्वास'। कौन आपकी पार्टी और सरकार पर विश्वास करेगा? भाजपा की सरकार में बेगुनाहों को जेल में डाला जा रहा है, उनके घर गिराए जा रहे है और उन्हें परेशान किया जा रहा है। हमारी लड़ाई यही है कि भारतीय संविधान का पालन किया जाए और कानून का राज कायम हो।'

उन्होंने आगे कहा, 'अटल बिहारी वाजपेयी, नरेंद्र मोदी से कहते थे कि राजधर्म निभाइए। मैं उनसे पूछना चाहता हूं कि क्या यही राजधर्म है? कहते हैं कि राम राज आएगा, क्या यही राम राज है? निर्दोष लोगों को गोली मार दी जाती है और उनके बच्चों को अनाथ कर दिया जाता है। फिर भी कोई कार्रवाई नहीं की जाती।' दिग्विजय सिंह ने मध्य प्रदेश पुलिस पर भी सवाल उठाए। उन्होंने कहा, 'एमपी पुलिस, शाजापुर एसपी और टीआई बख्शी ने अभी तक न आरोपियों को गिरफ्तार किया और न ही किसी को जेल भेजा। अभी तक इस मामले की जांच भी पूरी नहीं हुई। साआईडी को जांच सौंपी गई और जब इस संबंध में पूछा जाता है, तो बताते हैं कि जांच जारी है। मैं पूछना चाहता हूं कि कब तक जांच जारी रहेगी? गोली चली और सिर्फ एक पक्ष के आठ लोग घायल हुए। इसमें अमजद नाम के शख्स की मृत्यु हो गई, जबकि जुनैद नाम का शख्स बोल नहीं पा रहा है।'

उन्होंने कहा, अमजद के दो मासूम बच्चे हैं और उसकी बीवी को नौकरी भी नहीं मिली। वहीं, जुनैद के इलाज पर लाखों रुपये खर्च हो गए। उसके परिवार से कहा गया था कि उसका इलाज कराया जाएगा। आज तक इस परिवार को कोई मदद नहीं मिली है। भारत सरकार का नियम है कि दंगों में होने वाले प्रकरण में तत्काल राहत राशि बांटी जाएगी। मृतकों के लिए पांच लाख और घायलों के लिए 50 हजार रुपये का प्रावधान है, लेकिन अभी तक एक भी रुपया परिवार को नहीं मिला है।'

दिग्विजय सिंह ने कहा कि अधिकारियों को यह नहीं भूलना चाहिए कि उन्होंने संविधान की शपथ ली है। मैं यही कहूंगा कि अब हमारे पास कोई विकल्प नहीं बचा है, इसलिए अब अदालत का रुख किया जाएगा।

झारखंड से उज्जैन लाया जा रहा था गांजा, एमपी पुलिस ने तस्कर को बीच रास्ते किया गिरफ्तार

उज्जैन। उज्जैन पुलिस ने झारखंड से उज्जैन में गांजा सप्लाई करने वाले एक तस्कर को गिरफ्तार किया है। उसके पास से 2 लाख से ज्यादा का गांजा बरामद किया गया है। सबसे बड़ी बात यह है कि आरोपी पहले भी कई बार गांजा सप्लाई कर चुका है, उसे एक बार सप्लाई करने में 10,000 रुपये तक दिए जाते थे। उज्जैन पुलिस अधीक्षक प्रदीप कुमार शर्मा ने बताया कि कई गंभीर अपराधों के पीछे यह बात सामने आई है कि आरोपियों द्वारा नशे की हालत में वारदात को अंजाम दिया गया है। इसी के चलते उज्जैन पुलिस द्वारा नशे के खिलाफ बड़ा अभियान चलाया जा रहा है।

8 किलो 750 ग्राम गांजा किया गया है बरामद

उज्जैन जिले की बड़नगर थाना पुलिस ने झारखंड के तस्कर पूरना पिता रघुनाथ निवासी झारखंड को गिरफ्तार किया है। उसके कब्जे से 8 किलो 750 ग्राम गांजा बरामद किया गया है।

पेज 1 का शेष

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने खजुराहो में देश की पहली महत्वाकांक्षी केन-बेतवा नदी...

15 मीटर से ऊंचा होगा दोधन बांध, बनने में लगेंगे 6 साल

जानकारी के अनुसार इस परियोजना के अंतर्गत बनने वाले केन नदी पर प्रस्तावित दोधन बांध की ऊंचाई 15 मीटर से अधिक होगी। यह बांध 2,031 मीटर लंबा होगा। जिसमें से बांध की 1,233 मीटर लंबाई मिट्टी की होगी और शेष 798 मीटर लंबाई कंक्रीट की होगी। परियोजना दो चरणों में पूरी की जाएगी। पहले चरण में दौधन बांध परिसर का निर्माण पूरा किया जाएगा और दूसरे चरण में लोअर ओर्र बांध, बीना कॉम्प्लेक्स परियोजना और कोठा बैराज का निर्माण किया जाएगा।

कितना मिट पाएगा बुंदेलखंड का सूखा? क्या डूब जाएगा पन्ना टाइगर रिजर्व?

जानेंकेन-बेतवा रिवर लिंकिंग प्रोजेक्ट के जरिए देश में पहली रिवर लिंकिंग परियोजना शुरू होने जा रही है। अस्सी के दशक में इस परियोजना का प्रस्ताव सामने आया, जिस पर अब अमल होने जा रहा है।

भारत जैसे विशाल देश में एक ही समय पर देश के अलग अलग छोरों पर मौसम में काफ़ी अंतर हो सकता है। सर्दियों में जब उत्तर भारत ठिठुर रहा हो तो जैसे-जैसे आप दक्षिण भारत की ओर आगे बढ़ेंगे मौसम गर्म होता रहेगा। देश के किसी एक इलाके में हो सकता है सूखा पड़ा हो, और किसी दूसरे छोर पर बहुत बारिश हो रही हो। ऐसे में ये सवाल बहुत ही सहज लगता है कि जहां बारिश ज़्यादा हो रही है, क्या वहां के पानी को सूखाग्रस्त इलाकों में नहीं पहुंचाया जा सकता। उस पानी को यों ही क्यों बेकार बहने दिया जाए। कुछ ऐसी ही सोच से देश में नदियों को जोड़ने की परियोजना का विचार उपजा। आपको बता दें कि पीएम मोदी ने 25 दिसम्बर को खजुराहो में केन-बेतवा रिवर लिंकिंग प्रोजेक्ट का शिलान्यास किया है।

ये नदी नक्शे पर कहां से गुज़रती है और बेतवा के साथ कैसे लिंक होगी ये भी देख लेते हैं.....

केन नदी के अतिरिक्त पानी को मध्य प्रदेश के पन्ना ज़िले के दोधन इलाके में बनने वाले 77 मीटर ऊंचे दौधन बांध के ज़रिए स्टोर किया जाएगा और फिर एक नहर के ज़रिए उसे बेतवा नदी से जोड़ा जाएगा। ये नहर मध्य प्रदेश के छतरपुर, टीकमगढ़ ज़िलों से होते हुए यूपी के झांसी और फिर ललितपुर ज़िले के बेतवा नदी में मिल जाएगी। 221 किलोमीटर लंबी इस लिंक नहर का संगम अपर बेतवा बेसिन में बेतवा नदी से होगा। परियोजना के दूसरे चरण में बेतवा नदी के अपर बेसिन में उसकी सहायक 'ओर' नदी पर लोअर ओर बांध बनेगा और उससे भी पहले पानी के नियंत्रण के लिए कोठा बैराज प्रोजेक्ट बनेगा।

किन इलाकों को होगा फायदा?

अब बड़ा सवाल ये है कि इस नहर से किस इलाके को ये सारा फ़ायदा होगा? तो ये है उत्तर प्रदेश और मध्य प्रदेश में फैला बुंदेलखंड इलाका जो अक्सर सूखे की मार झेलता है। इस पूरे इलाके को केन-बेतवा लिंक परियोजना से पानी और सिंचाई की सुविधाएं देने की योजना है। बुंदेलखंड के इस इलाके में उत्तर प्रदेश के चार ज़िलों बांदा, महोबा, झांसी और ललितपुर को फ़ायदा होगा। जबकि मध्य प्रदेश के बुंदेलखंड रीजन के दस ज़िलों को भी इसका फ़ायदा मिलेगा। ये ज़िले हैं टीकमगढ़, पन्ना, छतरपुर, सागर, दमोह, दतिया, विदिशा, शिवपुरी और रायसेन।

पन्ना टाइगर रिज़र्व का 65 प्रतिशत से ज्यादा क्षेत्र पानी में डूब जाएगा

जैसा कि हर बड़ी विकास परियोजना के दो पहलू होते हैं। इस योजना के भी हैं। एक पहलू वो होता है जिसमें लाखों नये लोगों को सुविधा मिलती है। जैसे यहां पीने के पानी और सिंचाई की सुविधा। दूसरा पहलू ये होता है कि कई इलाकों को इसके लिए कुर्बानी देनी होती है। केन बेतवा लिंकिंग प्रोजेक्ट से कुल 86.50 वर्ग किलोमीटर पानी में डूब जाएगा, जिसमें कई गांव शामिल हैं। सबसे अधिक नुक़सान बंगाल टाइगर के लिए मशहूर पन्ना टाइगर रिज़र्व को होगा। पन्ना टाइगर रिज़र्व का 57.21 वर्ग किलोमीटर पानी में डूब जाएगा , जो पूरे डूब क्षेत्र के 65 प्रतिशत से ज़्यादा है। इसके अलावा पन्ना टाइगर रिज़र्व के क़रीब 105.23 वर्ग किलोमीटर इलाके को अप्रत्यक्ष नुक़सान होगा, जैसे एक इलाका डूबने से नदी के ओर छोर पर जानवरों के लिए कनेक्टिविटी ख़त्म हो जाएगी। बाघ समेत कई अन्य दुर्लभ जानवरों का ये घर अलग-अलग हिस्सों में बंट जाएगा। केन-बेतवा नदियों को जोड़ने के प्रोजेक्ट के लिए अक्टूबर 2023 में वन विभाग ने अपनी मंज़ूरी दे दी थी।

बांध से डूब सकता है छतरपुर का बड़ा रिहायशी इलाका

बांध से छतरपुर का बड़ा रिहायशी इलाका भी डूब क्षेत्र में आ जाएगा, जिसमें कई गांव हैं। डूब क्षेत्र में आने वाले स्थानीय लोगों को इस बात की खुशी है कि बांध से इलाके का विकास होगा, लेकिन ये चिंता भी कि इससे उन्हें विस्थापित होना होगा। उनके पुश्तैनी घर पानी में डूब जाएंगे। हर बार की तरह यहां भी सवाल वही उठता है कि क्या मुआवज़ा भले ही कितना अधिक हो, किसी के अपनी ज़मीन से उजड़ने के दर्द की भरपाई कर सकता है? हर विकास परियोजना के तमाम सुखद पहलुओं के बीच ऐसे भी कुछ दुखद पहलू होते हैं।